शमक विवि में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन

जनजातीय जन नायकों का त्याग अविस्मरणीय : किरण

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में मंगलवार को जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि किरण सिंह देव ने कहा कि अतीत में जब-जब देश, समाज, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष की जरूरत थी, जनजातीय समाज के नायक-नायिकाओं ने अपना सर्वस्व योगदान दिया। सन् 1774 से 77 के बीच शहीद अजमेर सिंह ने समाज और देश के लिए अविस्मरणीय संघर्ष किया। ऐसे कई नायकों को हम नहीं जानते हैं जिन्हें जानना जरूरी है।

भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती के उपलक्ष्य में हुए इस कार्यक्रम में स्थानीय विधायक किरण सिंह देव, महापौर सफीरा साहू, पदमश्री धर्मपाल सैनी, कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं जनजातीय समाज के प्रमुख उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री देव ने कहा कि हम क्या थे, हमारे पूर्वज, विरासत, संस्कृति क्या थी इसे जानना आवश्यक है। श्री देव ने बताया कि पिछले 15 नवंबर को केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में देश के पांच सौ जिले में भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती मनाई गई। अब हमारे सिलेबस में भी जनजातीय शहीदों का नाम होगा। स्वागत उद्बोधन में कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा एक सोच और विचारधारा थे, जिन्हें समाज ने भगवान के रूप में चिन्हित किया। हम भगवान बिरसा के जीवन के जितने पन्ने पलटेंगे उतने वे हमारे हृदय में उतरेंगे। जब अंग्रेज सर्वस्व लूट रहे थे तो भगवान बिरसा ने अतुलनीय प्रतिकार किया। पूर्व विधायक श्री राजाराम तोड़ेम ने कहा कि इतिहास में जितना स्थान जनजातीय समाज को मिलना चाहिए उतना नहीं मिला है। समाज की अच्छाईयों पर हमें भरोसा करना चाहिए। डॉ. गंगाराम कश्यप ने कहा कि यह जनजातीय समाज संस्कृति के मामले में बहुत ही समृद्ध है। इसमें छूआछूत जैसी सामाजिक समस्याएं नहीं हैं।

जनजातीय समाज हम सबका मूल : पण्डा

प्रमुख वक्ता सतीश गोकुल पांडा ने कहा कि अतीत में जनजातीय समाज ने अंग्रेजों को सबसे अधिक हानि पहुंचाया। इस समाज के वीरों ने कभी अंग्रेजों के सामने घुटने नहीं टेके। लेकिन आजादी के बाद भी इस समाज को देखने की अंग्रेजियत दृष्टि बची है। इस जीवंत समाज को देखने समझने के लिए म्यूजियम और सिनेमा का सहारा लेने का नकारात्मक प्रयास करते हैं। आज भी जनजातीय समाज की न्याय व्यवस्था सरल है। यह समाज एक के लिए सब के भाव से जीता है, हम सबका मूल जनजातीय समाज ही है।

जजा समाज प्रमुखों का किया गया सम्मान

इस अवसर पर जनजातीय समाज के प्रमुखों का शाल व श्रीफल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सजीवन कुमार एवं डॉ. दिलेश जोशी ने किया। आभार प्रदर्शन कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी ने किया। कार्यक्रम में पप्पुराम नाग, गंगाराम कश्यप, रतन कश्यप, लोकनाथ नाग, जगदीश मौर्य, हिड़मा मंडावी, एसएन सेवता, बाबूलाल बघेल, हरिप्रसाद पन्ना, दशरथ कश्यप सहित विवि के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. शरद नेमा, डॉ. स्वपन कुमार कोले, डॉ. आनंद मूर्ति मिश्रा, डॉ. सुकीर्ति तिर्की, डॉ. विनोद कुमार सोनी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।